कक्षा 12 राजनीति विज्ञान

ANSWER SET–2

✦ खंड – क : बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

1. (ग) सोवियत संघ का विघटन
2. (ख) उपनिवेशवाद का विरोध
3. (ग) 1961
4. (ख) विश्व शांति व सुरक्षा
5. (ख) केंद्र के
6. (ख) अनुच्छेद 356
7. (ख) नगरपालिकाओं से
8. (ग) लोकसभा के प्रति
9. (ख) राजनीतिक स्थिरता
10. (क) 1952–1967
11. (ख) भाषाई-सांस्कृतिक पहचान
12. (ग) स्थायी सदस्य
13. (ग) विदेश नीति
14. (ख) 1948
15. (ग) स्वतंत्र संवैधानिक संस्था
16. (ग) 1989 के बाद
17. (क) 42वें संशोधन से
18. (ख) संसाधनों पर निर्भर
19. (ग) दोनों मिलकर
20. (ख) न्यूनतम प्रतिरोध

✦ खंड – ख : अति लघु उत्तरीय प्रश्न

21. द्विध्रुवीयता क्या है?

जब विश्व राजनीति दो महाशक्तियों के प्रभाव में विभाजित हो, उसे द्विध्रुवीयता कहते हैं।

22. NAM के एक संस्थापक नेता

पंडित जवाहरलाल नेहरू।

23. वीटो अधिकार का अर्थ

स्थायी सदस्य द्वारा किसी प्रस्ताव को रोकने का विशेष अधिकार।

24. संघीय सूची क्या है?

वे विषय जिन पर केवल केंद्र सरकार कानून बनाती है।

25. राष्ट्रपति शासन कब लगाया जाता है?

जब राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाए।

26. राजनीतिक स्थिरता से तात्पर्य

सरकार का पूर्ण कार्यकाल तक स्थिर रहना।

27. क्षेत्रीय दल की एक विशेषता

क्षेत्र विशेष के हितों का प्रतिनिधित्व।

28. मौलिक कर्तव्य का उदाहरण

राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना।

29. UNSC का एक कार्य

अंतरराष्ट्रीय शांति बनाए रखना।

30. मानवाधिकार का अर्थ

प्रत्येक व्यक्ति को जन्म से प्राप्त मूल अधिकार।

✦ खंड – ग : लघु उत्तरीय प्रश्न (I)

31. शीत युद्ध के दो प्रमुख चरण

पहला चरण (1945–1962) में तनाव और संकट जैसे क्यूबा मिसाइल संकट।
दूसरा चरण (1962–1991) में तनाव कम हुआ और अंततः सोवियत संघ का विघटन हुआ।

32. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता

1. विकासशील देशों की आवाज बनना।
2. विश्व शांति और सहयोग को बढ़ावा देना।

33. भारतीय संघवाद में केंद्र की दो शक्तियाँ

1. आपातकाल घोषित करना।
2. अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र के पास होना।

34. एक-दलीय प्रभुत्व के दो कारण

1. स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व।
2. विपक्ष की कमजोरी।

35. गठबंधन सरकारों की दो चुनौतियाँ

1. नीतिगत असहमति।
2. सरकार गिरने का खतरा।

36. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की संरचना

15 सदस्य – 5 स्थायी (वीटो अधिकार सहित) और 10 अस्थायी सदस्य।

✦ खंड – घ : लघु उत्तरीय प्रश्न (II)

37. शीत युद्ध के बाद की विश्व व्यवस्था

शीत युद्ध के बाद विश्व एकध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ा जिसमें अमेरिका प्रमुख शक्ति बना। वैश्वीकरण और आर्थिक सहयोग बढ़ा। अंतरराष्ट्रीय संगठनों की भूमिका महत्वपूर्ण हुई।

38. भारतीय संघवाद में एकात्मक प्रवृत्तियाँ

भारत में आपातकालीन प्रावधान, एकल नागरिकता और अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र के पास होना एकात्मक प्रवृत्तियाँ दर्शाती हैं। राज्यपाल की नियुक्ति भी केंद्र द्वारा की जाती है।

39. भारतीय राजनीति में क्षेत्रीय दलों की भूमिका

क्षेत्रीय दल स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय राजनीति में उठाते हैं। गठबंधन युग में इनकी भूमिका निर्णायक रही है। इन्होंने संघीय ढांचे को मजबूत किया है।

40. संयुक्त राष्ट्र संघ की सीमाएँ

वीटो अधिकार के कारण कई बार निर्णय प्रभावित होते हैं। बड़े देशों का प्रभाव अधिक रहता है। सभी विवादों को सुलझाने में पूर्ण सफलता नहीं मिली।

✦ खंड – ङ : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

41. गुटनिरपेक्ष आंदोलन की उत्पत्ति, उद्देश्य और वर्तमान प्रासंगिकता

✦ उत्पत्ति

शीत युद्ध के दौरान 1961 में बेलग्रेड सम्मेलन में औपचारिक गठन हुआ। भारत, मिस्र और यूगोस्लाविया इसके प्रमुख नेता थे।

✦ उद्देश्य

1. उपनिवेशवाद का विरोध।
2. विश्व शांति बनाए रखना।
3. स्वतंत्र विदेश नीति अपनाना।

✦ वर्तमान प्रासंगिकता

आज भी विकासशील देशों के लिए यह मंच महत्वपूर्ण है। वैश्विक असमानता, जलवायु परिवर्तन और शांति स्थापना में इसकी भूमिका बनी हुई है।

42. भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक दलों की भूमिका (समालोचनात्मक अध्ययन)

राजनीतिक दल लोकतंत्र की आधारशिला हैं। ये नीतियाँ बनाते हैं, चुनाव लड़ते हैं और सरकार बनाते हैं। जनता और सरकार के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

सकारात्मक पक्ष – प्रतिनिधित्व, नीति निर्माण और लोकतांत्रिक भागीदारी।
नकारात्मक पक्ष – दल-बदल, भ्रष्टाचार और जातीय राजनीति।

निष्कर्षतः, राजनीतिक दल लोकतंत्र के लिए अनिवार्य हैं, परंतु सुधार आवश्यक हैं।